>

Title: Reported coutrywide dharna by Gramin Bank employees raising various demands pertaining to their service conditions.

श्री संतोष गंगवार (बरेली): अध्यक्ष महोदय, अमलगमेशन के बाद पूरे देश में जो 83 ग्रामीण बैंक्स कार्यरत हैं, उन बैंकों में कार्यरत हजारों की संख्या में कर्मचारी और वर्कर्स अपनी विभिन्न मांगों को लेकर संसद के बाहर धरना और प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी मुख्य मांग है कि उन्हें प्रायोजक बैंकों के समतुल्य पेंशन सुविधाएं दी जाएं, प्रायोजक बैंकों के समान पी.एफ. कटौती की जाए और अन्य भते तथा सुविधाएं भी प्रायोजक बैंकों के समान दी जाएं। इस संदर्भ में मैं बताना चाहूंगा कि इस समय सारे बैंक्स फायदे में हैं और इनका पिछला फायदा लगभग 2325 करोड़ रुपये का है। ये सब काफी समय से चल रहा है और ये सारे बैंक्स प्रायोजक बैंकों से आगे बढ़कर काम कर रहे हैं[BS21]।

13.00 hrs.[s22]

मैं यहां बताना चाहता हूं कि वर्तमान देश के प्रधान मंत्री जी ने वर्ष 2003 में घोषणा की थी कि भारतीय राष्ट्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना की जायेगी। मेरा आपसे आग्रह है कि माननीय वित्त मंत्री उस ओर ध्यान दे और जिस प्रकार से ग्रामीण बैंकों के कर्मी देश के ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत हैं, वे आम आदमी की सेवा कर रहे हैं। सरकार जिस बात के लिए कहती है कि सारी सुविधायें गरीब से गरीब आदमी को मिले, बैंकों में उनका खाता खुले, नरेगा में खाता खुले और उन्हें पैसा मिले लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि इन लोगों की मांगों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जो दूसरे बैंक कर्मियों को सुविधाये मिल रही हैं, इन्हें नहीं मिल रही हैं।

अध्यक्ष जी, मैं आपको बताना चाहूंगा कि बाकी बैंकों के अधिकारी और कर्मचारी खाता खोलने में परेशानी पैदा कर रहे हैं परंतु ग्रामीण बैंक वाले ग्रामीण क्षेत्र में रहकर रात को देर से बैठकर काम कर रहे हैं। मैंने खुद ने देखा है। मैं चाहूगा कि तत्काल भारतीय राष्ट्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना की जाये और उन कर्मियों द्वारा जो सुविधायें मांगी जा रही हैं, उन्हें तत्काल लागू किया जाये। मैं सरकार को यह भी अवगत कराना चाहता हूं कि पी.एफ में यह सुविधा देने से 62 करोड़ रुपये की राशि की कटौती का भार पड़ेगा जबकि बैंक 2000 करोड़ रुपये के घाटे में चल रही हैं। सरकार इस ओर ध्यान दे और उचित कदम उठाये जायें ।

अध्यक्ष महोदय : डा. लक्ष्मी नारायण पांडेय, प्रो. रासा सिंह रावत, श्री राम स्वरूप कोली, श्री राम सिंह कस्वां के नाम श्री गंगवार ने जो मुद्दा उठाया है, उसके साथ एसोसिएट किये जायें।

Shri K. Francis George – not present

सॉरी तो बोल दिया लेकिन अब वेट करना होगा।